

अद्वैतवेदान्त

पत्र संख्या - DSCC - 13

पाठ्यक्रम विवरणम् -

वेदान्तपरिभाषा (अर्थापत्तिपरिच्छेदात् आरभ्य समाप्तिपर्यन्तम्)

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- अर्थापत्तिलक्षणम्, दृष्टार्थापत्तिः, श्रुतार्थापत्तिः, अभिधानानुपपत्तिः, अभिहितानुपपत्तिः, अर्थापत्तेः मानान्तरत्वम् ।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- अनुपलब्धिलक्षणम्, अनुपलब्धेः योग्यत्वम्, अनुपलब्धेः मानान्तरत्वम्, चतुर्विधः अभावः, स्वतःप्रामाण्यवादः ।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- द्विविधं प्रामाण्यम्, तत्पदार्थनिरूपणम्, तटस्थस्वरूपलक्षणे, कर्तृत्वम्, उपादानत्वम्, प्रपञ्चसृष्टिक्रमः, शरीरत्रयम्, चतुर्विधः प्रलयः, ब्रह्मप्रतिपत्तौ सृष्टिवाक्यानाम् उपयोगः, ईश्वरस्वरूपम् ।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- त्वं पदार्थनिरूपणम्, वृत्तेः प्रयोजनानि, अवस्थात्रयम्, तत्त्वंपदार्थयोः ऐक्यम्, प्रयोजनभेदः, मोक्षस्वरूपम्, ज्ञानस्य मोक्षसाधनत्वम्, श्रवणमनननिदिध्यासनानि, साधनचतुष्टयम्, कर्मिणां गतिः, अविद्यायाः एकत्वनानात्वविचारः ।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

1. वेदान्तपरिभाषा (धर्मराजाध्वरीन्द्रविरचिता), क्षेमराजश्रीकृष्णदासःश्रेष्ठी (प्रकाशकः), श्रीवेङ्कटेश्वरमुद्रालयः, मुम्बै ।
2. वेदान्तपरिभाषा (सामणिप्रभा-शिखामणिसहिता), प्रो. पारसनाथद्विवेदी (सम्पादकः), सम्पूर्णानन्द संस्कृतविश्वविद्यालयः, वारणासी।

-
3. वेदान्तपरिभाषा (सविवरण‘प्रकाश’ हिन्दीव्याख्योपेता), डॉ. श्रीगजानन शास्त्री मुसगांवकर, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
 4. वेदान्तपरिभाषा, खेमराज श्रीकृष्णदास प्रकाशन, मुम्बै।
 5. वेदान्तपरिभाषा, मणिप्रभाख्यटीकासंवलितया शिखामणिटीकाविभूषिता च, उदासीनस्वामिश्रीमदमरदासः (मणिप्रभाटीकाकारः), रामकृष्णाध्वरिः (शिखामणिटीकाकारः), राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्, नवदेहली।

सहायकग्रन्थाः -

1. Vedanta Paribhasa of Dharmaraja Adhvarindra, Translated and Annotated by Swami Madhavananda, Advaita Ashram, Kolkata.
2. वेदान्तपरिभाषा, विश्वनाथ धिताल (सम्पादकः), श्री दक्षिणामूर्ति मठ, वाराणसी।
3. Vedantaparibhasa of Dharmaraja Adhvarindra (Sanskrit Text, English Translation and Elucidation), Gopinath Bhattacharya and Prabal kumar Sen, University of Calcutta, Department of Philosophy.

अद्वैतवेदान्त

पत्र संख्या - DSCC - 14

पाठ्यक्रम विवरणम् -

ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् - चतुस्सूत्री

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- अध्यासेआक्षेपपरिहारौ ,अध्यासलक्षणम् , पञ्चख्यातयः , शास्त्राणाम् अविद्यावद्विषयत्वम् , देहाद्यध्यासभेदाः ।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- अथशब्दार्थः, साधनचतुष्टयम्, समासविचारः, ब्रह्मणःजिज्ञास्यत्वोपपत्तिः ।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- जन्मादिसूत्रार्थः, जगत्कारणत्वनिर्णयेश्रुत्यविरुद्धतर्काणां प्रसक्तिः, ब्रह्मणः शास्त्रयोनित्वम्, ब्रह्मणः शास्त्रप्रमाणकत्वम्।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- समन्वयाधिकरणम् – ब्रह्मणः शास्त्रप्रमाणकत्वे आक्षेपपरिहारौ, ब्रह्मणः प्रतिपत्तिविधिविषयत्वशङ्कापरिहारौ, ब्रह्मणः शास्त्राविषयत्वम्, निषेधवाक्यदृष्टान्तेन आमनायस्यक्रियार्थत्वनिरासः।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

1. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (श्रीगोविन्दानन्दकृतया भाष्यरत्नप्रभया श्रीवाचस्पतिमिश्रविरचितया भामत्या श्रीमानन्दगिरिप्रणीतेन न्यायनिर्णयेन समुपेतम्), आचार्यजगदीशशास्त्री (सम्पादितम्), मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
2. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (सत्यानन्दी-दीपिकया समलङ्कृतम्), स्वामी सत्यानन्द सरस्वती (व्याख्याकारः), चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।

-
3. श्रीबादरायणविरचितं चतुःसूत्री ब्रह्मसूत्रम् (सटिप्पणशाङ्करभाष्य-न्यायनिर्णय-रत्नप्रभाललिताव्याख्यायुतम्), श्री कैलास आश्रम ब्रह्मविद्यापीठ, ऋषिकेश, उत्तराखण्ड।

सहायकग्रन्थाः -

1. ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम्, स्वामीगम्भीरानन्दः (शाङ्करभाष्यस्य आङ्गलानुवादकः)
2. BrahmasutraShankaraBhasya, Badarayana'sBrahmasutras with Shankaracharya's Commentary, Translated by Vasudeva Mahadeo Apte, Popular Book Depot.
3. BrahmasutraBhasyaofSankaracarya, Translated by Swami Gambhirananda, Advaita Ashram.

अद्वैतवेदान्त

पत्र संख्या - DSCC - 15

पाठ्यक्रम विवरणम् -

सांख्यतत्त्वकौमुदी (आदितः ३२ कारिकापर्यन्तम्)

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- दुःखत्रैविध्यम्, दृष्टानुश्रविकोपायाभ्यां दुःखनिवारणासम्भवः, पञ्चविंशतितत्त्वानां विभागः, प्रमाणानां विभागः लक्षणानि च, उपमानादीनां प्रत्यक्षादिषु अन्तर्भावः ।

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- प्रत्यक्षप्रतिबन्धकानि, सत्कार्यवादसाधकहेतवः, व्यक्ताव्यक्तयोः साध्यम्यवैधर्म्ये, व्यक्ताव्यक्तयोः पुरुषेण वैधर्म्यम् ।

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- गुणत्रयनिरूपणम्, पुरुषसाधकहेतवः, पुरुषबहुत्वम्, पुरुषस्वरूपम्, जगत्सर्गः ।

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- बुद्धिः, बुद्धिधर्माः, अहङ्कारः, इन्द्रियाणि, तेषां वृत्तयः, त्रयोदशविधकरणानि ।

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः -

- सांख्यतत्त्वकौमुदी (सविवृति 'तत्त्वचन्द्रिका' हिन्दीव्याख्योपेता), डॉ. ओमप्रकाश पाण्डेयः (व्याख्याकारः), चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
- सांख्यतत्त्वकौमुदी (ईश्वरकृष्णकृत सांख्यकारिका तथा वाचस्पतिमिश्रकृत तत्त्वकौमुदी का हिन्दी अनुवाद एवं ज्योतिष्मती व्याख्या), रामशङ्कर भट्टाचार्यः (प्रणेता)
- सांख्यतत्त्वकौमुदी (कृष्ण- संस्कृत- हिन्दीव्याख्याद्वयोपेतम्), चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

-
4. सांख्यतत्त्वकौमुदी (सटिप्पण तत्त्वप्रकाशिका हिन्दी व्याख्यया बृहद्भूमिका-परिशिष्टादिभिश्च समलङ्कृता), डॉ. गजानन शास्त्री मुसलगॉवकरः (व्याख्याकारः), चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
 5. सांख्यकारिका, सांख्यचन्द्रिका टीकासहित सटिप्पण हिन्दीव्याख्योपेता, श्री. पं. दुण्डिराजशास्त्री न्यायाचार्यः (सटिप्पण हिन्दीव्याख्याकारः), चौखम्बा अमरभारतीप्रकाशन, वाराणसी।

सहायकग्रन्थाः -

1. The Sankhya-Tattwakaumudi, Vacaspati Misra's Commentary on the Sankhyakarika, Translated into English by Mahamahopadhaya Ganganath Jha, ChowkhambhaVidyabhavan, Varanasi.
2. Sankhyakarika of Iswara Krishna with the Tattwakaumudi of Sri Vacaspati Misra, Translated by Swami Virupakshananda.
3. Sankhyakarika of Isvarakrishna, Dr. T. G. Mainkar
4. सांख्यतत्त्वकौमुदी (सुषमाव्याख्यासहिता), पं. श्रीहरिरामशुक्ल (व्याख्याकारः), चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।